



新北市立大觀國民中學『觀中作文好少年』專用稿紙

時間：112年9月6日 班級：802 姓名：汪子譯 座號：4 指導老師：

觀中作文好少年(八年級)九月題目：當我和別人意見不同的時候(9月25日前，請幹部收齊繳回教務處設備組)

【說明】我們難免會有和別人意見不同的時候，也許是對課本知識有不同的理解，也許是對班級事務有不同的想法，又或許是對做事的標準有各自的堅持……。當你和別人意見不同的時候，你會積極地為自己辯護，還是試著找到彼此的共識？又或者會離開現場，讓各自有思考的空間？請以「當我和別人意見不同的時候」為題，寫出你的經驗、感受或想法。

※注意事項：不可在文中暴露私人身分、不可用詩歌體寫作，文長至500字。請用黑筆作答，不必抄題。

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|
| 入 | 話 | 題 | 接 | 著 | 在 | 與 | 對 | 方 | 溝 | 通 | 時 | 先 | 用 | 委 | 婉 | 的 | 口 | 氣 | 切 | 讓 | 雙 | 方 | 都 | 能 | 理 | 解 | 彼 | 此 | 的 | 意 | 見 | 不 | 同 | 的 | 時 | 候 | 當 | 我 | 和 | 別 | 人 | 意 | 見 | 不 | 同 | 的 | 時 | 候 | 在 | 人 | 生 | 的 | 這 | 輛 | 單 | 程 | 列 | 車 | 中 | 總 | 會 | 到 | 某 | 一 | 站 | 人 | 走 | 了 | 一 | 批 | 乘 | 客 | 同 | 時 | 又 | 增 | 加 | 了 | 另 | 外 | 一 | 批 | 乘 | 客 | 每 | 一 | 位 | 乘 | 客 | 個 | 性 | 不 | 盡 | 相 | 同 | 的 | 人 | 頻 | 率 | 跟 | 自 | 己 | 很 | 相 | 對 | 也 | 許 | 和 | 我 | 會 | 有 | 大 | 大 | 小 | 小 | 的 | 摩 | 擦 | 這 | 輛 | 列 | 車 | 上 | 些 | 事 | 都 | 在 | 所 | 難 | 免 | 我 | 和 | 別 | 人 | 不 | 同 | 意 | 見 | 時 | 會 | 先 | 離 | 場 | 予 | 彼 | 此 | 的 | 冷 | 靜 | 空 | 間 | 澱 | 自 | 己 | 的 | 心 | 情 | 為 | 心 | 芳 | 暴 | 躁 | ， 便 | 無 | 法 | 好 | 好 | 溝 | 通 | 果 | 更 | 加 | 嚴 | 重 | 至 | 拳 | 腳 | 相 | 向 | 得 | 彼 | 此 | 都 | 不 | 愉 | 快 | 必 | 呢 | ！ | 就 | 要 | 去 | 思 | 考 | ， 為 | 什 | 麼 | 他 | 會 | 那 | 麼 | 做 | 著 | 去 | 揣 | 摩 | 別 | 人 | 的 | 心 | 情 | 心 | 比 | 心 | 一 | 下 | 想 | 他 | 是 | 不 | 是 | 有 | 什 | 麼 | 苦 | 衷 | 不 | 為 | 人 | 知 | ， 再 | 進 | 一 | 步 | 且 | 想 | ， 剛 | 剛 | 的 | 口 | 氣 | 是 | 不 | 是 | 過 | 於 | 猛 | 烈 | ？ 然 | 後 | 準 | 備 | 待 | 會 | 與 | 對 | 方 | 溝 | 通 | 時 | 己 | 想 | 表 | 達 | 的 | 真 | 正 | 想 | 法 | 入 | 話 | 題 | ， 想 | 辦 | 法 | 達 | 成 | 共 | 識 | 或 | 彼 | 此 | 各 | 退 | 一 | 步 | 雙 | 方 | 都 | 能 | 理 | 解 | 彼 | 此 | 的 | 意 | 見 | 不 | 同 | 的 | 時 | 候 | 當 | 我 | 和 | 別 | 人 | 意 | 見 | 不 | 同 | 的 | 時 | 候 | 在 | 人 | 生 | 的 | 這 | 輛 | 單 | 程 | 列 | 車 | 中 | 總 | 會 | 到 | 某 | 一 | 站 | 人 | 走 | 了 | 一 | 批 | 乘 | 客 | 同 | 時 | 又 | 增 | 加 | 了 | 另 | 外 | 一 | 批 | 乘 | 客 | 每 | 一 | 位 | 乘 | 客 | 個 | 性 | 不 | 盡 | 相 | 同 | 的 | 人 | 頻 | 率 | 跟 | 自 | 己 | 很 | 相 | 對 | 也 | 許 | 和 | 我 | 會 | 有 | 大 | 大 | 小 | 小 | 的 | 摩 | 擦 | 這 | 輛 | 列 | 車 | 上 | 些 | 事 | 都 | 在 | 所 | 難 | 免 | 我 | 和 | 別 | 人 | 不 | 同 | 意 | 見 | 時 | 會 | 先 | 離 | 場 | 予 | 彼 | 此 | 的 | 冷 | 靜 | 空 | 間 | 澱 | 自 | 己 | 的 | 心 | 情 | 為 | 心 | 芳 | 暴 | 躁 | ， 便 | 無 | 法 | 好 | 好 | 溝 | 通 | 果 | 更 | 加 | 嚴 | 重 | 至 | 拳 | 腳 | 相 | 向 | 得 | 彼 | 此 | 都 | 不 | 愉 | 快 | 必 | 呢 | ！ | 就 | 要 | 去 | 思 | 考 | ， 為 | 什 | 麼 | 他 | 會 | 那 | 麼 | 做 | 著 | 去 | 揣 | 摩 | 別 | 人 | 的 | 心 | 情 | 心 | 比 | 心 | 一 | 下 | 想 | 他 | 是 | 不 | 是 | 有 | 什 | 麼 | 苦 | 衷 | 不 | 為 | 人 | 知 | ， 再 | 進 | 一 | 步 | 且 | 想 | ， 剛 | 剛 | 的 | 口 | 氣 | 是 | 不 | 是 | 過 | 於 | 猛 | 烈 | ？ 然 | 後 | 準 | 備 | 待 | 會 | 與 | 對 | 方 | 溝 | 通 | 時 | 己 | 想 | 表 | 達 | 的 | 真 | 正 | 想 | 法 | 入 | 話 | 題 | ， 想 | 辦 | 法 | 達 | 成 | 共 | 識 | 或 | 彼 | 此 | 各 | 退 | 一 | 步 | 雙 | 方 | 都 | 能 | 理 | 解 | 彼 | 此 | 的 | 意 | 見 | 不 | 同 | 的 | 時 | 候 | 當 | 我 | 和 | 別 | 人 | 意 | 見 | 不 | 同 | 的 | 時 | 候 | 在 | 人 | 生 | 的 | 這 | 輛 | 單 | 程 | 列 | 車 | 中 | 總 | 會 | 到 | 某 | 一 | 站 | 人 | 走 | 了 | 一 | 批 | 乘 | 客 | 同 | 時 | 又 | 增 | 加 | 了 | 另 | 外 | 一 | 批 | 乘 | 客 | 每 | 一 | 位 | 乘 | 客 | 個 | 性 | 不 | 盡 | 相 | 同 | 的 | 人 | 頻 | 率 | 跟 | 自 | 己 | 很 | 相 | 對 | 也 | 許 | 和 | 我 | 會 | 有 | 大 | 大 | 小 | 小 | 的 | 摩 | 擦 | 這 | 輛 | 列 | 車 | 上 | 些 | 事 | 都 | 在 | 所 | 難 | 免 | 我 | 和 | 別 | 人 | 不 | 同 | 意 | 見 | 時 | 會 | 先 | 離 | 場 | 予 | 彼 | 此 | 的 | 冷 | 靜 | 空 | 間 | 澱 | 自 | 己 | 的 | 心 | 情 | 為 | 心 | 芳 | 暴 | 躁 | ， 便 | 無 | 法 | 好 | 好 | 溝 | 通 | 果 | 更 | 加 | 嚴 | 重 | 至 | 拳 | 腳 | 相 | 向 | 得 | 彼 | 此 | 都 | 不 | 愉 | 快 | 必 | 呢 | ！ | 就 | 要 | 去 | 思 | 考 | ， 為 | 什 | 麼 | 他 | 會 | 那 | 麼 | 做 | 著 | 去 | 揣 | 摩 | 別 | 人 | 的 | 心 | 情 | 心 | 比 | 心 | 一 | 下 | 想 | 他 | 是 | 不 | 是 | 有 | 什 | 麼 | 苦 | 衷 | 不 | 為 | 人 | 知 | ， 再 | 進 | 一 | 步 | 且 | 想 | ， 剛 | 剛 | 的 | 口 | 氣 | 是 | 不 | 是 | 過 | 於 | 猛 | 烈 | ？ 然 | 後 | 準 | 備 | 待 | 會 | 與 | 對 | 方 | 溝 | 通 | 時 | 己 | 想 | 表 | 達 | 的 | 真 | 正 | 想 | 法 | 入 | 話 | 題 | ， 想 | 辦 | 法 | 達 | 成 | 共 | 識 | 或 | 彼 | 此 | 各 | 退 | 一 | 步 | 雙 | 方 | 都 | 能 | 理 | 解 | 彼 | 此 | 的 | 意 | 見 | 不 | 同 | 的 | 時 | 候 | 當 | 我 | 和 | 別 | 人 | 意 | 見 | 不 | 同 | 的 | 時 | 候 | 在 | 人 | 生 | 的 | 這 | 輛 | 單 | 程 | 列 | 車 | 中 | 總 | 會 | 到 | 某 | 一 | 站 | 人 | 走 | 了 | 一 | 批 | 乘 | 客 | 同 | 時 | 又 | 增 | 加 | 了 | 另 | 外 | 一 | 批 | 乘 | 客 | 每 | 一 | 位 | 乘 | 客 | 個 | 性 | 不 | 盡 | 相 | 同 | 的 | 人 | 頻 | 率 | 跟 | 自 | 己 | 很 | 相 | 對 | 也 | 許 | 和 | 我 | 會 | 有 | 大 | 大 | 小 | 小 | 的 | 摩 | 擦 | 這 | 輛 | 列 | 車 | 上 | 些 | 事 | 都 | 在 | 所 | 難 | 免 | 我 | 和 | 別 | 人 | 不 | 同 | 意 | 見 | 時 | 會 | 先 | 離 | 場 | 予 | 彼 | 此 | 的 | 冷 | 靜 | 空 | 間 | 澱 | 自 | 己 | 的 | 心 | 情 | 為 | 心 | 芳 | 暴 | 躁 | ， 便 | 無 | 法 | 好 | 好 | 溝 | 通 | 果 | 更 | 加 | 嚴 | 重 | 至 | 拳 | 腳 | 相 | 向 | 得 | 彼 | 此 | 都 | 不 | 愉 | 快 | 必 | 呢 | ！ | 就 | 要 | 去 | 思 | 考 | ， 為 | 什 | 麼 | 他 | 會 | 那 | 麼 | 做 | 著 | 去 | 揣 | 摩 | 別 | 人 | 的 | 心 | 情 | 心 | 比 | 心 | 一 | 下 | 想 | 他 | 是 | 不 | 是 | 有 | 什 | 麼 | 苦 | 衷 | 不 | 為 | 人 | 知 | ， 再 | 進 | 一 | 步 | 且 | 想 | ， 剛 | 剛 | 的 | 口 | 氣 | 是 | 不 | 是 | 過 | 於 | 猛 | 烈 | ？ 然 | 後 | 準 | 備 | 待 | 會 | 與 | 對 | 方 | 溝 | 通 | 時 | 己 | 想 | 表 | 達 | 的 | 真 | 正 | 想 | 法 | 入 | 話 | 題 | ， 想 | 辦 | 法 | 達 | 成 | 共 | 識 | 或 | 彼 | 此 | 各 | 退 | 一 | 步 | 雙 | 方 | 都 | 能 | 理 | 解 | 彼 | 此 | 的 | 意 | 見 | 不 | 同 | 的 | 時 | 候 | 當 | 我 | 和 | 別 | 人 | 意 | 見 | 不 | 同 | 的 | 時 | 候 | 在 | 人 | 生 | 的 | 這 | 輛 | 單 | 程 | 列 | 車 | 中 | 總 | 會 | 到 | 某 | 一 | 站 | 人 | 走 | 了 | 一 | 批 | 乘 | 客 | 同 | 時 | 又 | 增 | 加 | 了 | 另 | 外 | 一 | 批 | 乘 | 客 | 每 | 一 | 位 | 乘 | 客 | 個 | 性 | 不 | 盡 | 相 | 同 | 的 | 人 | 頻 | 率 | 跟 | 自 | 己 | 很 | 相 | 對 | 也 | 許 | 和 | 我 | 會 | 有 | 大 | 大 | 小 | 小 | 的 | 摩 | 擦 | 這 | 輛 | 列 | 車 | 上 | 些 | 事 | 都 | 在 | 所 | 難 | 免 | 我 | 和 | 別 | 人 | 不 | 同 | 意 | 見 | 時 | 會 | 先 | 離 | 場 | 予 | 彼 | 此 | 的 | 冷 | 靜 | 空 | 間 | 澱 | 自 | 己 | 的 | 心 | 情 | 為 | 心 | 芳 | 暴 | 躁 | ， 便 | 無 | 法 | 好 | 好 | 溝 | 通 | 果 | 更 | 加 | 嚴 | 重 | 至 | 拳 | 腳 | 相 | 向 | 得 | 彼 | 此 | 都 | 不 | 愉 | 快 | 必 | 呢 | ！ | 就 | 要 | 去 | 思 | 考 | ， 為 | 什 | 麼 | 他 | 會 | 那 | 麼 | 做 | 著 | 去 | 揣 | 摩 | 別 | 人 | 的 | 心 | 情 | 心 | 比 | 心 | 一 | 下 | 想 | 他 | 是 | 不 | 是 | 有 | 什 | 麼 | 苦 | 衷 | 不 | 為 | 人 | 知 | ， 再 | 進 | 一 | 步 | 且 | 想 | ， 剛 | 剛 | 的 | 口 | 氣 | 是 | 不 | 是 | 過 | 於 | 猛 | 烈 | ？ 然 | 後 | 準 | 備 | 待 | 會 | 與 | 對 | 方 | 溝 | 通 | 時 | 己 | 想 | 表 | 達 | 的 | 真 | 正 | 想 | 法 | 入 | 話 | 題 | ， 想 | 辦 | 法 | 達 | 成 | 共 | 識 | 或 | 彼 | 此 | 各 | 退 | 一 | 步 | 雙 | 方 | 都 | 能 | 理 | 解 | 彼 | 此 | 的 | 意 | 見 | 不 | 同 | 的 | 時 | 候 | 當 | 我 | 和 | 別 | 人 | 意 | 見 | 不 | 同 | 的 | 時 | 候 | 在 | 人 | 生 | 的 | 這 | 輛 | 單 | 程 | 列 | 車 | 中 | 總 | 會 | 到 | 某 | 一 | 站 | 人 | 走 | 了 | 一 | 批 | 乘 | 客 | 同 | 時 | 又 | 增 | 加 | 了 | 另 | 外 | 一 | 批 | 乘 | 客 | 每 | 一 | 位 | 乘 | 客 | 個 | 性 | 不 | 盡 | 相 | 同 | 的 | 人 | 頻 | 率 | 跟 | 自 | 己 | 很 | 相 | 對 | 也 | 許 | 和 | 我 | 會 | 有 | 大 | 大 | 小 | 小 | 的 | 摩 | 擦 | 這 | 輛 | 列 | 車 | 上 | 些 | 事 | 都 | 在 | 所 | 難 | 免 | 我 | 和 | 別 | 人 | 不 | 同 | 意 | 見 | 時 | 會 | 先 | 離 | 場 | 予 | 彼 | 此 | 的 | 冷 | 靜 | 空 | 間 | 澱 | 自 | 己 | 的 | 心 | 情 | 為 | 心 | 芳 | 暴 | 躁 | ， 便 | 無 | 法 | 好 | 好 | 溝 | 通 | 果 | 更 | 加 | 嚴 | 重 | 至 | 拳 | 腳 | 相 | 向 | 得 | 彼 | 此 | 都 | 不 | 愉 | 快 | 必 | 呢 | ！ | 就 | 要 | 去 | 思 | 考 | ， 為 | 什 | 麼 | 他 | 會 | 那 | 麼 | 做 | 著 | 去 | 揣 | 摩 | 別 | 人 | 的 | 心 | 情 | 心 | 比 | 心 | 一 | 下 | 想 | 他 | 是 | 不 | 是 | 有 | 什 | 麼 | 苦 | 衷 | 不 | 為 | 人 | 知 | ， 再 | 進 | 一 | 步 | 且 | 想 | ， 剛 | 剛 | 的 | 口 | 氣 | 是 | 不 | 是 | 過 | 於 | 猛 | 烈 | ？ 然 | 後 | 準 | 備 | 待 | 會 | 與 | 對 | 方 | 溝 | 通 | 時 | 己 | 想 | 表 | 達 | 的 | 真 | 正 | 想 | 法 | 入 | 話 | 題 | ， 想 | 辦 | 法 | 達 | 成 | 共 | 識 | 或 | 彼 | 此 | 各 | 退 | 一 | 步 | 雙 | 方 | 都 | 能 | 理 | 解 | 彼 | 此 | 的 | 意 | 見 | 不 | 同 | 的 | 時 | 候 | 當 | 我 | 和 | 別 | 人 | 意 | 見 | 不 | 同 | 的 | 時 | 候 | 在 | 人 | 生 | 的 | 這 | 輛 | 單 | 程 | 列 | 車 | 中 | 總 | 會 | 到 | 某 | 一 | 站 | 人 | 走 | 了 | 一 | 批 | 乘 | 客 | 同 | 時 | 又 | 增 | 加 | 了 | 另 | 外 | 一 | 批 | 乘 | 客 | 每 | 一 | 位 | 乘 | 客 | 個 | 性 | 不 | 盡 | 相 | 同 | 的 | 人 | 頻 | 率 | 跟 | 自 | 己 | 很 | 相 | 對 | 也 | 許 | 和 | 我 | 會 | 有 | 大 | 大 | 小 | 小 | 的 | 摩 | 擦 | 這 | 輛 | 列 | 車 | 上 | 些 | 事 | 都 | 在 | 所 | 難 | 免 | 我 | 和 | 別 | 人 | 不 | 同 | 意 | 見 | 時 | 會 | 先 | 離 | 場 | 予 | 彼 | 此 | 的 | 冷 | 靜 | 空 | 間 | 澱 | 自 | 己 | 的 | 心 | 情 | 為 | 心 | 芳 | 暴 | 躁 | ， 便 | 無 | 法 | 好 | 好 | 溝 | 通 | 果 | 更 | 加 | 嚴 | 重 | 至 | 拳 | 腳 | 相 | 向 | 得 | 彼 | 此 | 都 | 不 | 愉 | 快 | 必 | 呢 | ！ | 就 | 要 | 去 | 思 | 考 | ， 為 | 什 | 麼 | 他 | 會 | 那 | 麼 | 做 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--------|---|---|---|---|---|---|---|

[illegible]